नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 04-11-2019

प्रकाशनार्थ

संस्कृति विचारों, व्यवहारों, अभिवृत्तियों और परम्पराओं का समूह है। यह समूह परिवार, धर्म, समानता इत्यादि के आधार पर निर्मित होते हैं। ये विचार, व्यवहार, अभिवृत्तियाँ तथा परम्पराएं एक पीढ़ी से दूसरे पीढ़ी तक स्थानान्तरित होती हैं और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से हमारे व्यवहार को प्रभावित तथा निर्धारित करती हैं।

ये बातें बतौर मुख्य वक्ता बलिराम भगत महाविद्यालय, समस्तीपुर, बिहार के मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर **डॉ. सुनील कुमार मिश्र** ने महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा **'Culure and Behavior'** विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा संस्कृति और व्यवहार में निकटस्थ सम्बन्ध है। संस्कृति उन मूल्यों को कहते हैं जिन्हें एक व्यक्ति, समाज या संस्था संजोकर रखती है। ये जीवन मूल्य ही वाह्य व्यवहार के रूप में व्यक्ति के व्यक्तित्व में परिलक्षित होता है। किसी समाज के लोगों के व्यवहार को देखकर तथा उनके कृत्यों की जॉच कर आसानी से वहाँ के संस्कृति की पहचान की जा सकती है। किसी समाज की अभिवृत्ति और उसकी संस्कृति ही यह निर्धारित करेंगी कि उस समाज के लोगों का व्यवहार कैसा होगा संस्कृति व्यवहार को तथा व्यवहार संस्कृति को अन्तर्नोदित करता है। सामाजिक अन्तर्क्रिया व्यक्ति के चिन्तन तथा व्यवहार में निरन्तर बदलाव लाता है जो एक संस्कृति से दूसरे संस्कृति में भिन्न हो सकता है। व्यक्ति का व्यवहार और संज्ञानात्मक विकास उसके अन्य व्यक्तियों के अन्तर्सम्बन्धों पर निर्भर करता है व्यक्ति स्वयं से श्रेष्ठ और ज्ञानी व्यक्तियों के सम्पर्क में आकर चिन्तन और व्यवहार के संस्कृतिनुरूप तरीके सीखता है। एक अच्छी संस्कृति वही है जिसका दृष्टिकोण आदर्शात्मक हो, जिसमें सामाजिकता का पुट हो, अनुकूलन की क्षमता हो, जिसमें लचीलापन हो तथा जिसमें एकीकरण की योग्यता हो। संस्कृति व्यवहार के अन्तर्गत भाषा, सम्प्रेषण की क्षमता, अनुष्ठान, परम्परा, विश्वास, मूल्यों, धर्म तथा अन्तर्किया की तकनीक को नियंत्रित एवं संचालित करती है।

कार्यशाला की अध्यक्षता तथा अतिथि स्वागत मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने की। मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने कार्यशाला का संचालन करते हुए कार्यक्रम की प्रस्ताविकी भी प्रस्तुत की। कार्यशाला में मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थी विवेक कुशवाहा (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष), सुनील कुमार सिंह (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष), फरहीन खातून (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष), किरन गुप्ता (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष), नवरतन चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष), महिमा विश्वकर्मा (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष), नेहा मिश्रा (बी.ए. प्रथम वर्ष), अल्पना चौधरी (बी. एस–सी. प्रथम वर्ष), चन्द्रप्रभा सिंह (बी. एस–सी. प्रथम वर्ष) आदि ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यशाला में मनोविज्ञान विभाग के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के कुल 62 छात्र/छात्राओं ने सहभाग किया।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी